भर सकता है घाव तलवार का बोली का घाव भरे ना लिरिक्स

भर सकता है घाव तलवार का,

दोहा – बोली ऐसे बोलिये,
मन का आपा खोय,
ओरन को सीतल करे,
तो पहले आप ही सीतल होय।

भर सकता है घाव तलवार का,
बोली का घाव भरे ना।bd।

पीवर का गमन किया,
भृगु जी की नार ने,
ऋषि के उदासी छाई,
सेवा हु के कारने,
उसे देख हंसी आई,
लक्ष्मी के भरतार ने,
हँसता हुआ देख ऋषि,
दुख किया मन माय,
विष्णु को श्राप दिया,
क्रोध कर के मन माय,
दसरथ सुत राजकुमार का,
हनुमत बिन काज सरे ना,
भर जाता घाव तलवार का,
बोली का घाव भरे ना।bd।

शिव और पार्वती,
बैठे थे कैलाश में,
नान्दिये थे पांच संग,
गऊ चरे घास में,
हंस गिरजा यू बोली,
पांच पति पास में,
सुणके वचन तब गऊ ने,
श्राप दिया हँसे क्या,
गिरजा देख तेरे होंगे पांच पिया,
शंकर भगवान ने,
पांच रूप धार लिया,
पांचो पति द्रोपती नार के,
गऊ माता का वचन टले ना,
इस जगत की रीत अपार में,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

बोली का घाव भरे ना।bd।

द्रोपती ने बोल मारया,
दुर्योधन कर्ण को,
भवन में थी माया,
पेंर रख्या नहीं धरण को,
अंधे को बताया अँधा,
मान हुआ हरण को,
जुए बिच कोरव जीते,
पांडव लगे हारणे को,
दुस्ट दुशासन लागा,
चीर को उतारणे,
जिन्हें नाम लिया कीरतार का,
पंचो पति बठे सहाय करे ना,
भर जाता घाव तलवार का,
बोली का घाव भरे ना।bd।

विष की भरी है बोली,
अमीरस की खान है,
बोली से अनादर होता,
बोली से मान है,
बोली से नरकों में जाता,
बोली से कल्याण है,
बोली का विचार करो,
सार चीज पावोगे,
माधव कहे मिले सुख,
जब गम खावोगे,
सुमिरन कर राधे श्याम का,
उस बिन कोई विपत्त हरे ना,
भर जाता घाव तलवार का,
बोली का घाव भरे ना।bd।

भर जाता घाव तलवार का,
बोली का घाव भरे ना।bd।

गायक – राजू जी स्वामी।
प्रेषक – सुभाष सारस्वा काकड़ा।
9024909170

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com